वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 117 | बुधवार 21 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की सीएस ने ली समीक्षा बैठक

पहला रोड शो 30 अगस्त को मुंबई में होगा आयोजित, सभी विभागों को दिए कई निर्देश

जयपुर. कासं। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सरकार के विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ आज एक उच्च-स्तरीय बैठक में 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। इस उच्च-स्तरीय बैठक में 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का सफल और प्रभावशाली आयोजन सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान सरकार की ओर से शुरू की जाने वाली नई और आगामी नीतियों की तैयारी, प्रमुख बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स से जुड़ी बातों और निवेश के अवसरों का आकलन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि, राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्राथमिकताओं में से एक है और इसे सफल बनाना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। आने वाले दिनों में हम कई नई और निवेशकों के अनुकूल नीतियों को मंजूर करने की तैयारी कर रहे हैं। इसलिए सभी संबंधित विभागीय सचिवों और प्रमुखों से अनुरोध है कि वे उन्हें जल्द से जल्द अंतिम रूप दें। अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा उत्पादन, शिक्षा, खनन, इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे प्रमुख क्षेत्रों का जिक्र करते हुए पंत ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने विभागों में निवेश योग्य परियोजनाओं की सूची को भी जल्दी-से-जल्दी अंतिम रूप दें। गुजरात और उत्तर प्रदेश की अपनी हाल की यात्राओं का जिक्र करते हुए बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने इन दोनों राज्यों द्वारा निवेश प्राप्त करने के उनके मॉडल को समझने के अपने अनुभवों को भी साझा किया। इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) अखिल अरोड़ा, वन एवं पर्यावरण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा, ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह, उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा और अन्य संबंधित विभागों के प्रमुख एवं सचिव उपस्थित थे। उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा ने कहा कि राजस्थान सरकार वैश्विक मंच पर राज्य में निवेश के अवसरों को सामने लाने के देश और दुनिया के प्रमुख व्यापारिक शहरों में रोड शो की एक श्रृंखला आयोजित करने जा रही है और इसकी शुरूआत मुंबई से होगी।

एससी-एसटी के भारत बंद को राजस्थान में कांग्रेस का समर्थन

जयपुर समेत 16 जिलों के स्कूलों में छुट्टी, यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं स्थगित; भरतपुर में नेटबंदी

जयपुर. कासं

अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी-एसटी) के आरक्षण में क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कार्ट के फैसले के विरोध में बुधवार को भारत बंद का आह्वान किया है। राजस्थान में बंद को कांग्रेस ने भी समर्थन दिया है। जयपुर, सीकर, अलवर, दौसा, सवाई माधोपुर, डीग, जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, टोंक, भीलवाड़ा, नीमकाथाना, कोटा, श्रीगंगानगर, चित्तौड़गढ़ और भरतपुर में स्कूल-कॉलेजों के साथ समस्त शैक्षणिक संस्थाओं में छुट्टी की घोषणा कर दी। कोटा, शेखावाटी और मत्स्य यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई। भरतपुर में संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने सुबह 9 से शाम 6 बजे तक इंटरनेट बंद कर दिया। गंगापुर सिटी जिले के टोडाभीम में सरकारी स्कूल विशनपुरा के 12 टीचरों ने सीबीईओ (टोडाभीम) को सामूहिक एप्लिकेशन देकर 21 अगस्त की छुट्टी मांगी है। उन्होंने भारत बंद का समर्थन करने के लिए छुट्टी चाही है। कोटा के साथ ही जयपुर ग्रामीण के फुलेरा, चंदवाजी, रेनवाल और अचरोल में शराब की दुकानें बंद रहेंगी। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- कांग्रेस कार्यकर्ता इस लड़ाई में साथ है। बीजेपी आरक्षण के खिलाफ है। उन्होंने कहा- जिस प्रकार भाजपा की मानसिकता है, वह संविधान को कमजोर करने की, आरक्षण को कमजोर करने की है। कांग्रेस के बंद का समर्थन करने के सवाल पर जूली ने कहा कि अंतिम निर्णय अध्यक्ष करेंगे, लेकिन जहां भी मांग संविधान की है तो पीछे हटने वाले नहीं है, कांग्रेस के कार्यकर्ता इस लड़ाई में साथ रहेगा। आज सुप्रीम कोर्ट कोई बात कह रहा है, उसके लिए कोई नीति ये लोग तय नहीं कर रहे हैं।

जयपुर बंद के लिए समिति ने 25 टीमें बनाई

अनुसूचित जाति-जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति ने भी बंद को राजस्थान में समर्थन दिया है। जयपुर बंद के लिए समिति ने 25 टीमें बनाई हैं, जो बाजार बंद कराएगी। बंद समर्थकों की ओर से रैली भी निकाली जाएगी। हालांकि अभी तक बंद को लेकर व्यापारियों में असमंजस की स्थिति है। अनुसूचित जाति-जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक अनिल गोठवाल ने बताया- बंद को शांतिपूर्वक सफल बनाया जाएगा। समिति किसी भी हिंसा का समर्थन नहीं करती है। आंदोलन के बारे में सोशल मीडिया पर जो कुछ चल रहा है, उसका हम समर्थन नहीं करते। जयपुर में 25 टीमें बनाई गई हैं। यह टीमें अपने-अपने इलाके में टोलियों में रैली निकालेगी। बाजारों को बंद करवाएगी। बंद के समर्थन में बड़ी रैली रामनिवास बाग से शुरू होगी। जो चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, एमआई रोड होते हुए रामनिवास बाग में आकर खत्म होगी। इसके बाद कलेक्टर को ज्ञापन देंगे।

व्यापारियों का स्वैच्छिक बंद होगा

जयपुर व्यापार मंडल के अध्यक्ष डॉ ललित सिंह सांचौरा ने बताया- हमने सभी व्यापारियों से कहा है कि किसी एक संगठन ने 21 अगस्त को बंद का आह्वान किया है। जयपुर व्यापार मंडल ने यह फैसला लिया है कि यह व्यापारियों का स्वैच्छिक बंद होगा। इसका फैसला व्यापारी और व्यापार मंडल स्वयं करें। उन्होंने कहा- हर समस्या का पहला हमला व्यापारियों पर ही होता है।

किसी संगठन ने हमसे बंद के लिए नहीं कहा

जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल का कहना है कि आए दिन किसी न किसी कारण से व्यापारियों को अपनी दुकानें बंद रखनी पड़ती है। इससे व्यापारियों का नुकसान होता है। यह नुकसान केवल एक दिन का नहीं होता। इससे कई दिन तक व्यापार प्रभावित रहता है। जयपुर में बाहर से टूरिस्ट आते हैं। टूरिस्ट आय का सबसे बड़े साधन हैं। बंद की सूचना पर टूरिस्ट अपना प्लान कैंसिल कर देते हैं। इससे यहां के व्यापारियों को अगले कई दिनों तक नुकसान उठाना पड़ता है। व्यापार महासंघ ने यह निर्णय लिया है कि सभी व्यापारी अपनी सुरक्षा को देखते हुए अपने प्रतिष्ठान को खोले या बंद रखें।

टोडरमल महाविद्यालय जयपुर : जैन पर्व एक अनुशीलन-संगोष्ठी सम्पन

जयपुर. शाबाश इंडिया

19 अगस्त 2024 को रक्षाबंधन पर्व पर श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय जयपुर की ओर से मुख्य सभागार में ''जैन पर्व एक अनुशीलन'' विषय पर विद्वत्परिषद् के राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं ट्रस्टी, दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग के महामंत्री, अ.भा. जैन सम्पादक संघ राजस्थान के अध्यक्ष, सर्वोदय महावीर सन्देश पत्रिका के मुख्य सम्पादक, पूर्व प्राचार्य डॉ. अरविन्द कुमार जैन सांगानेर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। शास्त्री तृतीय वर्ष के संयोजकत्व इस गोष्ठी में महाविद्यालय के 10 वक्ताओं ने पर्व संबंधी विषयों पर अपने विचार रखे। जिसमें ध्रुव जैन उपाध्याय-1 ने जैन पर्वों का स्वरूप एवं भेद-प्रभेद बताये। पर्व का अर्थ जोड़ जैसे- गन्ने की गांठ, संक्रांति काल, पुण्य अवसर आदि। जैन पर्व में राग को पोषण नहीं हैना चाहिए। प्रतीक जैन शास्त्री -1 ने ये महा पंचकल्याणक विषय पर प्रमुख तीर्थकरों की पांचों कल्याणक के स्वरूप, तिथि एवं मनाने का प्रयोजन और विधि पर चर्चा की। संस्कार जैन उपाध्याय -1 ने श्रुत रचना का जन्म एक नया प्रारंभ विषय के माध्यम से भगवान महावीर की आचार्य परम्परा, धरसेनाचार्य का आचार्य पुष्पदन्त-भूतवली को द्वितीय स्कन्ध का उपदेश, आचार्य गुणधर के कषायपाहुड से प्रथम श्रुत स्कंध का प्रणयन, आचार्य कुन्दकुन्द के 84 पाहुडों के माध्यम से श्रुत परम्परा का प्रवाह आदि बात बताईं। श्रेयांस जैन उपाध्याय -1 ने दानतीर्थ का पर्व अक्षय तृतीय पर आलेख प्रस्तुत किया। ऋषभ जैन उपाध्याय -2 ने वीर देशना एक घटना क्रम के माध्यम से काललब्धि का सही स्वरूप भी बताया। प्रक्षाल जैन शास्त्री -1 ने रक्षा भी एक बंधन विषय पर अनेक उदाहरणों के माध्यम से दार्शनिक व्याख्या प्रस्तुत की। ओम चवरे उपाध्याय -2 ने अष्टाह्निका पर्व का महात्म्य बताया एवं मैना सुन्दरी प्रसंग की तात्त्विक विवेचना की। सानिध्य नेजकर शास्त्री -1 ने अष्टमी- चतुर्दशी पर्व माहात्म्य विषय पर बोलते हुए इन तिथियों धर्म साधना के लिए उत्तम बताया। संजय जैन फरीदाबाद शास्त्री -3 ने पर्वों का मेला विषय के माध्यम से भाद्रपद में पड़ने वाले पर्वों की विस्तृत एवं प्रभावी चर्चा की। तथा कुन्दकुन्द जयन्ती आदि पर्वों को प्रमुखता से मनाने की अपील की। अन्तिम वक्ता जयन्त जैन शास्त्री -3 ने पर्व उत्सव या अवसर विषय पर चर्चा की एवं पर्वों का वर्तमान में प्रांसगिकता, उद्देश्य परकता पर सार्थक विवेचन किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. जैन ने सभी वक्ताओं की समीक्षा करते हुए सबके विषय तैयारी, समय प्रतिबद्धता, प्रतिपादन शैली एवं आत्म विश्वास की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सभी वक्ताओं ने पीपीटी के माध्यम को अपनाया यह गोष्ठी की विशेषता रही। उन्होंने पर्व के संबंध में बताते हुए कहा कि यद्यपि रक्षाबंधन पर्व मूलतः जैनों का पर्व नहीं है। इस पर्व के साथ यम-यमुना भाई बहन की कथा एवं वैदिकी श्रावणीकर्म क्रियायें जुड़ी हुई हैं। हस्तिनापुर में विष्णुकुमार द्वारा अकम्पनाचार्य सहित 700 मुनिराजों की रक्षा की कथा बाद में जुड़ी है। इसके पहले रक्षाबंधन पर्व को जैन किस रूप में मनाते होंगे - यह ज्ञात नहीं है। फिर भी पर्वों के दो रूप होते हैं एक धार्मिक दूसरा लौकिक। एक ही पर्व के साथ अनेक घटनायें जुड़ती रहती है जिससे उस पर्व के भी अनेक रूप हो जाते हैं। जैसे रक्षाबंधन पर्व जैनों के हंसी खुशी का दिन नहीं है। लेकिन रक्षाबंधन के दिन सात दिन से 700 मुनियों पर प्राण घातक सुनिश्चित उपसर्ग हो रहा था उसके निवारण का दिन था। जो राहत भरा था। इतनी खुशी कह सकते हैं परन्तु आज का दिन चिंता और चिन्तन का विषय अवश्य है कि वर्तमान में देव- शास्त्र, गुरु, धर्म , धर्मायतन, धर्मात्माओं की रक्षा, सुरक्षा कैसे की जावे। जैन पर्व में चारों अनुयोगों का समन्वय है। कथा प्रथमानुयोग, व्रत-विधि चरणानुयोग, कर्मों का फल करणानुयोग एवं मूल सिद्धान्तों का आधार द्रव्यानुयोग। पर्वों में बाह्याडंवर की अपेक्षा उसके आध्यात्मिक पक्ष को प्रमुखता देनी चाहिए तभी पर्व की सार्थकता है। इसके साथ ही अध्यक्ष ने गोष्ठी में श्रेष्ठ वक्ताओं की घोषणा की जिसमें उपाध्याय वर्ग में ऋषभ जैन एवं शास्त्री वर्ग में संयम शास्त्री श्रेष्ठ वक्ता रहे। अध्यक्ष महोदय के द्वारा सभी वक्ताओं के लिए पारितोषिक की घोषणा की गई। अन्त में आभार प्रदर्शन पण्डित गौरव शास्त्री उखलकर ने किया। संगोष्ठी संयोजक हर्ष जैन, विशाल जैन एवं गौतम गणधर प्रधान थे। संचालन संयम जैन खैरागढ़ एवं आर्जव मदरप जालना ने किया।

रक्षाबंधन पर्व मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। उपखण्ड मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बहन भाई के अटूट प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व सोमवार को श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। रक्षाबंधन पर्व को लेकर विगत कई दिनों से लोगों में काफी उत्साह था। सोमवार को सुबह रक्षाबंधन की पर्व की तैयारियां जोरों पर शुरू हो गई महिलाओं ने घर पर कई तरह के व्यंजन- पकवान बनाए और नए वस्त्र पहने। इसके बाद में शुभ मुहूर्त में बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध कर उनकी लम्बी आयु की कामना की व उनका मुंह मीठा कराया। वही भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर उन्हें रक्षा का वचन दिया। रक्षाबंधन के अवसर पर बाजार में अच्छी चहल पहल रही। महिलाओं ने राखियां, मिठाई, नारियल व फल आदि की जमकर खरीदारी की। रक्षाबंधन पर्व पर रोडवेज कि बसों में महिलाओं के लिए यात्रा निःशुल्क की घोषणा की गई थी। इसके चलते महिलाओं ने निःशुल्क यात्रा का आनंद लिया रोडवेज की बसों में अन्य दिनों की अपेक्षा में बुधवार को भीड़ अधिक दिखाई दी खासकर महिलाओं की भीड अधिक रही।

मालवीय नगर संभाग ने प्रकृति एवं पर्यावरण रखरखाव हेतु किया वृक्षारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दि जैन युवा परिषद् मालवीय नगर संभाग ने बी ब्लॉक पार्क मालवीय नगर स्थित में किया वृक्षारोपण मंत्री जिनेन्द्र जैन ने अवगत कराया सभी सदस्यों ने सर्वप्रथम सेक्टर 3 श्री शांतिनाथ दि जैन मंदिर के सामूहिक दर्शन के पश्चात प्रकृति एवं पर्यावरण रखरखाव हेतु युवा परिषद् के सभी सदस्यों ने मिलकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया अध्यक्ष रविन्द्र बिलाला ने सभी सदस्यों के साथ मिलकर लगाये गये पौधों के रखरखाव का संकल्प लिया ओर आगे भी प्रकृति एवं पर्यावरण रखरखाव हेतु इस तरह के कार्यक्रम निरंतर करने का निर्णय लिया कोषाध्यक्ष प्रदीप कासलीवाल के अनुसार इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय पार्षद गोविंद छींपा युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन प्रदेश महामंत्री विमल बज प्रदेश मंत्री विनोद पापडीवाल समाज गौरव रमेश चंदवाड सौभामल जैन एवं महिला सदस्य उपस्थिति रहे।

प्रणम्य सागर जी महाराज मीरा मार्ग से विहार कर हीरा पथ पहुंचे नवीन मंदिर के लिए दिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। मुनि श्री 108 अर्हम योग प्रणेता प्रणम्य सागर जी महाराज 20 अगस्त को मंगलवार को सुबह मीरा मार्ग से विहार कर हीरा पथ पहुंचे नवीन मंदिर पर पहुचने पर समाज के श्रेष्ठी महानुभावों धन कुमार सुरेन्द्र विरेन्द्र महेन्द्र जैन ताराचंद सुरेश प्रकाश अशोक जैन विमल विशाल जैन सुनील जैन एंव जैन समाज के अन्य लोग जैन युवा मंडल के मंत्री विवेक जैन अतुल अमित विकास जैन महिला मंडल अध्यक्ष तारामणी जैन कांता जैन मीना जैन सुलोचना जैन पदमा जैन अनिता जैन सभी ने महाराज श्री की अगवानी कर पाद प्रक्षालन किया और आरती की तत्पश्चात समाज समिति के अध्यक्ष धन कुमार कासलीवाल ने जानकारी दी हीरा पथ मान सरोवर पर निर्मित नवीन जिनालय एंव नवीन संत भवन एंव नक्शों का अवलोकन कराया एंव मंत्री सुरेन्द्र जैन ने बताया कि मुनि श्री ने हीरा पथ दिगंबर जैन समाज एंव श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के सभी सदस्यो को सम्पूर्ण कार्य निर्विघन सम्पुर्ण होने का आशिर्वाद प्रदान किया ।इस अवसर पर वास्तु कार दिनेश गंगवाल मीरा मार्ग से मंत्री राजेन्द्र सेठी अरुण जैन एंव अन्य महानुभाव भी उपस्थित रहे सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।

बलि, बृहस्पति, नमुचि और प्रह्लाद ये चारों मंत्री जैन धर्म के घोर विरोधी थे : मुनि श्री विनय सागर जी

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। श्री 1008 महावीर कीर्तिस्तंभ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान संत आचार्य गुरुवर श्री विनम्र सागर जी मुनिराज के परम-प्रभाभक शिष्य जिन मंदिर जीर्णोद्वारक संत प्रशांत मूर्ति श्रमण मुनि श्री 108 विनय सागर जी गुरुदेव ससंघ सानिध्य में रक्षाबंधन विधान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुनि श्री ने रक्षाबंधन की कथा सुनाते हुए कहा कि जैन पौराणिक ग्रंथों के अनुसार उज्जयिनी में श्री धर्म नाम के राजा के चार मंत्री थे। बलि, बृहस्पति, नमुचि और प्रह्लाद। ये चारों मंत्री जैन धर्म के घोर विरोधी थे।इन मंत्रियों ने शास्त्रार्थ में पराजित होने के कारण जैन संत श्रुतसागर मुनिराज पर तलवार से प्रहार का प्रयास किया तो राजा ने उन्हें देश से निकाल दिया। चारों मंत्री

अपमानित होकर हस्तिनापुर के राजा पद्म की शरण में आए। कुछ समय बाद मुनि अकंपनाचार्य 700 मुनि शिष्यों के संग हस्तिनापुर पहुंचे। बलि को अपने अपमान का बदला लेने का विचार आया। उसने राजा से वरदान के रूप में सात दिन के लिए राज्य मांग लिया। राज्य पाते ही बलि ने मुनि तथा आचार्य के साधना स्थल के चारों तरफ आग लगवा दी। धुएं और ताप से ध्यानस्थ मुनियों को अपार कष्ट होने लगाए पर मुनियों ने अपना धैर्य नहीं तोड़ा। उन्होंने प्रतिज्ञा की कि जब तक यह कष्ट दूर नहीं होगा, तब तक वे अन्ना-जल का त्याग रखेंगे। वह दिन श्रावण शुक्ल पूर्णिमा का दिन था। मुनियों पर संकट जानकर मुनिराज विष्णु कुमार ने वामन का वेश धारण किया और बलि के यज्ञ में भिक्षा मांगने पहुंच गए। उन्होंने बलि से तीन पग धरती मांगी। बलि ने दान की हामी भर दी तो विष्णु कुमार ने योग बल से शरीर को बहुत अधिक बढ़ा लिया। उन्होंने अपना एक पग सुमेरु पर्वत परए दूसरा मानुषोत्तर पर्वत पर रखा और अगला पग स्थान न होने से आकाश में डोलने लगा। सर्वत्र हाहाकार मच गया। बलि के क्षमायाचना करने पर उन्होंने मुनिराज अपने स्वरूप में आए। इस तरह सात सौ मुनियों की रक्षा हुई। सभी ने परस्पर रक्षा करने का बंधन बांधा, जिसकी स्मृति में श्रमण संस्कृति रक्षा पर्व के रूप में मनाया जाता है।

श्रावण मास की प्रदोष के अवसर पर नगर के शिवालयों में सम्पन्न हुए रुद्राभिषेक एवं सहस्त्र धारा के आयोजन

धोबी मोहल्ले स्थित नागेश्वर महा देव मन्दिर में हुए सहस्त्र धारा एवं जलाभीशेक कार्यक्रम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद।सावन माह की अन्तिम प्रदोष के अवसर पर शनिवार को स्थानीय धोबी मोहल्ला स्थित शिवालय.नागेश्वर महा देव मन्दिर में सहस्त्र जल धारा एवं अभिशेक का कार्यक्रम आयोजित किया गया इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या मे सिन्धी तथा अन्य सभी समाजों के श्रद्धालुओं और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने हिस्सा लेकर धर्म लाभ अर्जित किया और भगवान शिव की पूजा अर्चना की कार्यक्रम का आयोजन पत्रकार योगेन्द्र बुलचन्दानी तथा उनके भाई योगेश बुलचन्दानी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया इसके चलते मीडिया कर्मियों सहित अन्य अनेक विशिष्ट लोगों ने भी आयोजन में शिरकत की और धर्म लाभ कमाया, साथ ही अपने सामाजिक सरोकारो को भी उत्साह पूर्वक निभाया, उल्लेखनीय है कि सावन के पवित्र माह के दौरान उपखण्ड के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रो स्थित शिव मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलो में पूजा अर्चना, सतसंग, आदि के विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम हो रहे हैं जिसमें बड़ी संख्या मे भक्तजनों की भीड़ उमड़ रही है।

लायन्स क्लब कोटा सेन्ट्रल की सेवा गतिविधि

स्कूल के बच्चों को स्टेशनरी सामग्री बांटी

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा ।लायंस क्लब कोटा सेंट्रल की सेवा गतिविधि के तहत स्कूल के बच्चों को स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया गया। अध्यक्ष मधु ललित बाहेती ने बताया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय अलीपुरा, अंता में लायन श्याम लाल गुप्ता के सौजन्य से छात्रों को 100 नोटबुक्स एवं ज्योमेट्री बॉक्सेस वितरित किए गये। सेक्रेटरी राधा खुवाल ने बताया की बच्चों को ओमकार मंत्र और गायत्री मंत्र के उच्चारण करने का भी अभ्यास करवाया गया इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे और उन्होंने क्लब के द्वारा किये गये कार्य की सराहना की।

वेद ज्ञान

छूटने का भय

हमारे लिए यह जान लेना आवश्यक है कि हम कौन हैं? क्योंकि अभी तक हम अपने को जिस रूप में जानते हैं वह सही नहीं है। सृष्टि की संरचना और इसमें आने वाले जीव के विषय में जो विचार करते हैं, उनका कहना है कि जैसे ही जीव इस धरती पर कदम रखता है, पांच ज्ञानेंद्रियों, पांच कर्मेंद्रियों, एक मन और एक बुद्धि से युक्त इसका शरीर भी इसके साथ-साथ चला आता है। हालांकि यह शरीर इसके साथ तो आता है, किंतु यह इसका अपना इसलिए नहीं होता, क्योंकि यह जीव तो उस परब्रह्म परमात्मा का अंश है, जो जन्म और मरण से मुक्त है और जिसमें सुख-दुख की व्याप्ति नहीं होती। जीव को कब कौन-सा शरीर मिलेगा और कब कौन-सा शरीर उससे छूट जाएगा, इसका न तो इसे पता होता है और न ही अपना शरीर प्राप्त करना तथा छोड़ना इसके वश में होता है, क्योंकि न तो यह अपने शरीर का स्वामी है और न यह शरीर इसका अपना है। इसलिए इसके छूटने का भय निरर्थक है। यही स्थिति सांसारिक संबंधों की भी है। इस जीव ने जिस किसी स्त्री के गर्भ से जन्म लिया वही इसकी माता हो गई। जिस किसी पुरुष ने इसका पालन-पोषण किया उसे पिता कहा जाने लगा। जो इसकी माता के ही गर्भ से जन्मे वे भाई-बहन हो गए। इसी तरह से सांसारिक संबंधों का एक बड़ा जाल बिछ गया, जिसका जुड़ाव समाज और राष्ट्र से हो गया, किंतु यथार्थ फिर वही है कि इनमें से इस जातक का अपना इसलिए कोई नहीं है, क्योंकि जिस मां के गर्भ से इसका जन्म हुआ, जिस पिता ने पालन-पोषण किया और एक ही गर्भ से जन्म लेने के कारण, जो इसके भाई-बहन बने, क्या वे सभी पूर्व जन्म में इसके साथ थे? कब तक साथ रहेंगे और क्या अगले जन्म में भी इसे मिलेंगे? इसका कोई ठिकाना इसीलिए नहीं है, क्योंकि यथार्थ में इसका अपना कोई है ही नहीं। यही स्थिति इसके जीवन में प्राप्त होने वाली भोग-सामग्री की भी है। मकान, दुकान, पद-प्रतिष्ठा, लाभ-हानि के होने न होने का क्या कोई ठिकाना है? सब कुछ अनिश्चय है, क्योंकि इन सबसे भी जीव का कोई सीधा संबंध नहीं है। इसीलिए जब इसका कुछ है ही नहीं, तब फिर कुछ भी छूट जाने का भय निरर्थक है। इनसे इतर किसी भी तरह का भाव या संबंध एक विशेष प्रकार के माया-मोह का इंद्रजाल ही बुनता है।

संपादकीय

लैटरल एंट्री को लेकर प्रतिबद्ध केंद्र सरकार

संघ लोक सेवा आयोग ने संयुक्त सचिव और निदेशक/उप सचिव स्तर के 45 पदों के लिए तीन वर्ष की अवधि के अनुबंध के वास्ते आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस अवधि को बढ़ाकर पांच वर्ष तक किया जा सकता है। यह दिखाता है कि केंद्र सरकार अफसरशाही में लैटरल एंट्री (बाहरी प्रवेश) को लेकर निरंतर प्रतिबद्ध है। विभिन्न विभागों और मंत्रालयों मसलन इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पर्यावरण मंत्रालय, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा वित्तीय सेवा विभाग आदि में आमंत्रित ये रिक्तियां विशेषज्ञों के लिए हैं। उदाहरण के लिए केंद्र सरकार वित्तीय सेवा विभाग में एक संयुक्त सचिव खोज रही है ताकि डिजिटल इकॉनमी, फिनटेक और साइबर सुरक्षा पर ध्यान दिया जा सके। ऐसी कई वजह हैं जिनके चलते सरकार को चुनिंदा पदों पर विशेषज्ञों को नियुक्त करना चाहिए और इस विचार को लेकर कई बार चर्चा हो चुकी है। उदाहरण के लिए छठे वेतन आयोग ने कहा था कि व्यवस्था में सुधार के लिए वरिष्ठ पदों पर लैटरल एंट्री के अलावा अधिक परिणामोन्मुखी रुख अपनाया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त नीति आयोग के तीन वर्षीय एजेंडे और शासन को लेकर सचिवों के क्षेत्रीय समूह ने 2017 में अपनी रिपोर्ट में यह सिफारिश की थी कि नई प्रतिभाओं को लाने और जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाने के लिए मध्यम और वरिष्ठ स्तर पर लोगों शामिल किया जाए। सरकार ने इस माह के आरंभ में संसद में जो जवाब दिया था उसके मुताबिक बीते पांच सालों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव के स्तर पर ऐसी 63 नियुक्तियां की गई हैं। फिलहाल ऐसे 57 अधिकारी विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में पदस्थ हैं। लैटरल एंट्री की शुरूआत की वजह सबको पता है। अर्थव्यवस्था का आकार और जटिलता बढ़ने के साथ प्रभावी नीतिगत हस्तक्षेप करने के लिए अक्सर विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी की आवश्यकता होगी। सरकार के शीर्ष पदों पर अक्सर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी पदस्थ रहते हैं। हालांकि कुछ अधिकारी समय के साथ विषय विशेष का ज्ञान हासिल कर लेते हैं। इस सेवा की आम मांग सामान्य प्रकृति की जानकारी रखने की है जो आवश्यक नहीं कि नीति निर्माण के बदलते परिदृश्य में हमेशा कारगर ही साबित हो। चाहे जो भी हो, आईएएस अधिकारियों की कुल तादाद स्वीकृत स्तर से काफी कम है। नीति निर्माण के स्तर पर नियुक्तियों में अन्य सेवाओं के अधिकारियों को शामिल करके टैलेंट पूल बढ़ाने की जरूरत है। यह काम कुछ हद तक किया भी जा रहा है। निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों के लिए ऐसे पदों को खोलने से उपयुक्त उम्मीदवार मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

स्वत: संज्ञान

देश की सर्वोच्च अदालत ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में हुए कथित बलात्कार व हत्या के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। इस दुखद घटना को लेकर देश भर में आक्रोश है। निजी व सरकारी चिकित्सकों के देशव्यापी हड़ताल व प्रदर्शनों को लेकर स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सुरक्षा उपाय सुझाने के लिए समिति गठित करने का वादा किया गया। दोषियों की कड़ी से कड़ी सजा देने की चौतरफा मांग की जा रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा भी मामले को फास्ट ट्रैक अदालत में ले जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने दोषियों को फांसी दिये जाने की भी बात की। स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान न होने व अपर्याप्त आश्वासनों के चलते नाराज चिकित्सकों ने अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा नये आदेश किए गए। जिनके अनुसार, सभी राज्यों को कानून व्यवस्था की जानकारी गृह मंत्रालय को हर दो घंटे में देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इस मामले में लोगों के बढ़ते आक्रोश व मृतका को न्याय दिलाये जाने की पहल है। यदि यह गैंगरेप है तो सभी दोषियों को कठघरे में लाना तथा दोषियों को बचाने वालों का खुलासा होना भी जरूरी है। खबरों के अनुसार अब आशंका व्यक्त की जा रही है कि इस हत्या के पीछे मानव अंगों की तस्करी व सेक्स रैकेट भी हो सकता है। जिस तरह सबूतों से छेड़छाड़ की गई, वह भी संदेहास्पद है। दूसरे बनर्जी द्वारा सीबीआई जांच से पूर्व स्थानीय पुलिस को पांच दिन का वक्त देना भी संदेह से परे नहीं है। यह घटना दिल्ली में हुए निर्भया कांड से भी भीषण प्रतीत हो रही है। दोषियों की मंशा और बलात्कारियों झ हत्यारों की पहचान बेहद जरूरी है। इन्हें बचाने का प्रयास करने वालों का पदार्फाश तभी मुमकिन है, जबकि निष्पक्ष जांच संभव हो। सबसे बड़ी अदालत का जनहित के मामलात में हस्तक्षेप गंभीर अपराधों पर होने वाली राजनीति पर लगाम लगाने के लिए जरूरी है। साधारण दर्जी पिता की होनहार बेटी के साथ हुई दरिंदगी का असर देश के उन तमाम पालकों पर पड़ रहा है, जो बच्चियों को पढ़ाने और काबिल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। बेटी को सिर्फ पढ़ाना ही काफी नहीं है, हमें उन्हें सुरक्षा भी देना है, जिसमें हम बुरी तरह असफल हैं। इसके अलावा चूंकि निजी क्षेत्र के लोगों को सीमित समय के लिए प्रवेश मिलेगा इसलिए सरकार जरूरत के मुताबिक निरंतर नई प्रतिभाओं को शामिल कर सकती है। उसे जरूरत पड़ने पर कार्यकाल बढ़ाने का विकल्प भी खुला रखना चाहिए। राज्य सरकारों को भी निजी क्षेत्र की प्रतिभाओं को इसी तरह नियुक्त करना चाहिए।बहरहाल सरकार की इस योजना के कामयाब होने के लिए यह आवश्यक है कि मौजूदा अफसरशाही उनके साथ सहयोग के साथ काम करे। इसके लिए तथा लैटरल एंट्री पाने वालों को व्यवस्था में स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार को कम से कम दो काम करने होंगेः पहला, नियमित रूप से निजी क्षेत्र के लोगों को शामिल करके इस व्यवस्था का संस्थानीकरण करना होगा। दूसरा, उसे इस विषय में उपयुक्त संवाद करना होगा और दिखाना होगा कि कैसे इस व्यवस्था से लाभ हो रहा है।विपक्ष ने आरक्षण का हवाला देते हुए इस कदम की आलोचना की है जिससे बचा जाना चाहिए था। ये सीमित अवधि के और विशेषज्ञता वाले पद हैं और आरक्षण की बाध्यता इसके उद्देश्य को प्रभावित कर सकती थी। बहरहाल अगर सरकार अफसरशाही के विभिन्न स्तरों पर नियम के मुताबिक आरक्षण का उचित प्रतिनिधित्व बरकरार रखे तो बेहतर होगा।

राष्ट्र व धर्म की रक्षा सर्वोपरि : आचार्य अतिवीर मुनि

शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज ने श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर, अशोक विहार फेज-1 में दिनांक 19 अगस्त 2024 को वात्सल्य पर्व रक्षाबंधन के अवसर पर धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब भी सम्यकदर्शन के वात्सल्य अंग की चर्चा करते हैं तो आज की कथा का उल्लेख अवश्य होता है. हस्तिनापुर नगरी में अकम्पनाचार्य आदि 700 मुनिराजों की रक्षा हेतु विष्णु कुमार मुनि ने अपने मुनि पद का त्याग कर वात्सल्य भावना का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया। श्रावकों के लिए साधुओं व साधर्मी की रक्षा करना आवश्यक है. वर्तमान में यदि किसी साधु पर कोई संकट आ जाए तो कोई भी व्यक्ति उसके निवारण के लिए आगे नहीं आता. परन्तु चर्या में कोई कमी हो तो हजारों लोग टोकने के लिए खड़े हो जाते हैं. रक्षाबंधन पर्व मनाने की सार्थकता तभी होगी जब सभी लोग अपने साधर्मीजनों की रक्षा का संकल्प लेंगे. आचार्य श्री ने आगे कहा कि एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण तभी संभव है जब वहां का प्रत्येक नागरिक समर्पण की भावना से ओतप्रोत होगा. राष्ट्र व धर्म की रक्षा करना सभी श्रावकों का परम कर्त्तव्य है. वात्सल्य का अर्थ काफी विस्तृत है. आज हर तरफ हिंसा का तांडव चल रहा है. जगह-जगह आधुनिक बूचडखाने खुलते जा रहे हैं. शायद हमने वात्सल्य को केवल इंसानों तक ही सीमित कर दिया है. परन्तु वात्सल्य तो प्राणी-मात्र के प्रति होना चाहिए. जैन समाज के समक्ष आज एक और चुनौती खड़ी है. हमारे पावन तीर्थ आज धीरे-धीरे हमारे हाथों से छूट रहे हैं. परन्तु अफसोस हमारी जैन समाज निष्क्रिय होकर हाथ पर हाथ रखे बैठी है. अहिंसा का चोला ओढ़कर हम लोग धीरे-धीरे कायर बन गए. रक्षाबंधन का यह पर्व हमें तीर्थ संरक्षण के लिए भी प्रेरित करता है. इस अवसर पर समाज की महिलाओं व बालिकाओं ने राखी सजाओ प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर आकर्षक राखियां प्रस्तुत की जिसके पश्चात सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया.

श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में मैराथन दौड़ का हुआ आयोजन

ब्यावर. शाबाश इंडिया

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय,ब्यावर में ''राजस्थान स्टेट एड्स कन्ट्रोल सोसायटी निदेशालय'' चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के निदेर्शानुसार 'रेड रिबन क्लब' के तत्वावधान में महाविद्यालय स्तरीय मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।मैराथन दौड़ में महाविद्यालय की अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने हरी जंडी दिखाकर मैराथन दौड़ को आरम्भ किया । पाँच किलोमीटर की इस मैराथन में लगभग 100 छात्राओं ने भाग लिया । इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर. सी लोढ़ा ने दौड़ में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को बधाई दी एवं एड्स जैसे रोग से समाज पर पडने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराने के लिए प्रेरित किया। मैराथन दौड़ के आयोजन में रेड रिबन क्लब प्रभारी श्रीमती निधि पंवार ने मैराथन के नियमों की जानकारी दी आयोजन के सफल संचालन में श्रीमती प्रीति शर्मा, श्री गिरीश कुमार बैरवा, डॉ.रीना ठाकुर, श्री नितन साहू, श्री कमल किशोर , श्री सुरेन्द्र सिंह, श्री सुनील, श्री अतुल जॉय, श्रीमती कविता परसोया आदि का विशेष योगदान रहा। इस मैराथन दौड़ में प्रथम स्थान पर डिम्पल रावत (प्रथम वर्ष कला), द्वितीय स्थान पर विनीशा रावत (तृतीय वर्ष कला) तथा तृतीय स्थान पर हंसा काठात (तृतीय वर्ष कला) रहीं।

जायंट्स ग्रुप ऑफ ब्लू सिटी ने मनाया सावन महोत्सव

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोधपुर। जायंट्स ग्रुप ऑफ ब्लू सिटी,जोधपुर का सावन महोत्सव रविवार को स्वास्थ साधना केन्द्र में मनाया गया ' कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जायंट्स के प्रदेशाध्यक्ष देवेन्द्र गेलड़ा व समाज सेवी श्याम सा कुम्भट ने सावन महोत्सव में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ' प्रशासनिक निदेशक राजेश मेहता ने बताया की सावन महोत्सव में महिलाओं व पुरुषों हेतु हाऊजी, गीत व डांस के साथ साथ कई प्रतियोगिताए भी रखी गई जिसमें आकर्षक पुरस्कार दिये गये' रिंग गेम में मधु सुराणा,संतोष गेलड़ा,टोपी पहनाओ में सुमन व संगीता की जोड़ी व कमलेश माथुर की जोड़ी,पेपर गेम मे गोपीकिशन लोहिया व राम जाखड़ विजेता रहे । लक्की ड्रॉ का पुरस्कार श्रीमती सुलोचना मोहनोत व हेमन्त शर्मा को मिला व मिसेज सावन का पुरस्कार श्रीमती निरुपा पटवा व सुलोचना मोहनोत के नाम रहा ।कार्यक्रम में श्याम सा कुम्भट का देवेन्द्र सा गेलड़ा द्वारा साफा व वीरेन्द्र मोहनोत व राजेश मेहता द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया गया ' राजस्थान प्रभारी देवेन्द्र गेलड़ा,जोधाणा ग्रुप के अध्यक्ष सुरेन्द्र मेहता व रॉयल लेडिज ग्रुप की अध्यक्ष श्रीमती निरुपा पटवा व श्रीमती संतोष गेलड़ा का भी स्वागत किया गया । डॉ.अशोक सिंघवी का भी अच्छे गायन के लिए स्वागत किया गया । ग्रुप के अध्यक्ष वीरेन्द्र मोहनोत व प्रशासनिक निर्देशक राजेश मेहता ने सदस्यों का धन्यवाद कर भविष्य में होने वाले कार्यक्रमो में अधिक संख्या में भाग लेने का अनुरोध किया साथ ही ''एक पेड़ देश के नाम'' में भागीदारी सुनिश्चित करने का आव्हान किया। कार्यक्रम में अशोक जौहरी,के.एल.अरोड़ा अशोक मेहता,ललित सोलंकी व अनिल भण्डारी आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

शेखावाटी विकास परिषद में भागवत कथा

कर्म के अनुसार ही भोगना पड़ता है फलः संत हरिषरण दास

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीमद् भागवत कथा समिति के बैनर तले विद्याधर नगर,सेक्टर-1 स्थित शेखावाटी विकास परिषद मे चल रही श्री मद भागवत कथा में व्यासपीठ से कथा सुनाते हुए संत हरिषरण दास जी महाराज ने बताया कि भागवत की महिमा अपरंपार है,शुकदेवजी ने तो यहाँ तक कहा है कि समस्त वेदों की उपासना, तप, जप एवं अनुष्ठान इस ज्ञान यज्ञ के 16वें हिस्से की भी बराबरी नहीं कर सकते हैं । भागवत की सबसे बड़ी महिमा तो यह है कि वह अशांत जीवन को शांत बना देता है। भागवत कथा का श्रवण करने का मौका उसको ही मिलता है, जिस पर भगवान श्री कृष्ण की कृपा होती है। उन्होंने आगे कहा कि गीता में उपदेश देते हुए गौकर्ण महाराज ने अपने पिता आत्मदेव से कहा कि परमात्मा को पाना ही जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। विश्व की हर विचारधारा में श्रीमद भगवद गीता को सही दिशा देने के सामर्थ्य से परिपूर्ण माना गया है। उन्होंने आगे कहा कि मनुष्य को अपने कर्म के अनुसार ही फल भोगना पड़ता है। मनुष्य का जन्म भी अपने कर्म के अनुसार ही होता है, जिस प्रकार कर्म के कारण ही ब्रह्मा, बिष्णु महेश इस धरती पर अवतरित हुए। भागवत कहती हैं कि कर्म किए बगैर हम एक क्षण भी नहीं रह सकते। कर्म हमारे अधीन हैं, उसका फल नहीं। अच्छे कर्मों को करने और बुरे कर्मों का परित्याग करने में ही हमारी भलाई है। अतः मनुष्य को चाहिए कि वह बुरे कर्मों से तो बचे लेकिन अच्छे कर्म भी माता भगवती के लिए करे। गुरूजी ने आगे कहा कि शुक्रदेव जी ने जन्म लेते ही ही अपने पिता से कहा कि संसार माया से लिप्त है और मैं इस माया में लिप्त नहीं होना चाहता हूं। मैं सन्यास ग्रहण करूंगा। श्रीमद् भागवत कथा समिति के रामानंद मोदी ने बताया कि कथा 30 अगस्त तक रोजाना दोपहर 2 बजे से होगी,साथ ही सुबह 6.15 बजे से कथा स्थल से प्रभातफेरी निकाली जाएगी।

भजन संध्या में कलाकारों ने दी प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया। बंगाली बाबा आत्माराम ब्रहमचारी गणेश मंदिर ट्रस्ट के बैनर तले सावन प्रदोष के अवसर पर बंगाली गणेश मंदिर प्रांगण स्थित स्वयं आत्माराम जलेष्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में सवा लाख बिल्व पत्र अर्पण व भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान संत-महंतों की मौजूदगी में कलाकारों ने भोले बाबा को रिझाया। कार्यक्रम के आयोजक चन्द्र प्रकाश भाड़ेवाला ने बताया कि प्रारंभ में मंत्रोच्चारण की स्वर लहरियों के बीच भोले बाबा का जलाभिषेक किया गया। इसके बाद जयकारों के बीच भोलेबाबा के सवा लाख बिल्व पत्र अर्पित किए गए। इस दौरान त्रिवेणी धाम के रामरिछपाल दास जी महाराज,विधायक बालमुकुंदाचार्य दास जी महाराज, श्री नृसिंहदास जी बगीची के रामरतन जी महाराज,सांगानेर के कमलेष जी महाराज,ढेहर के बालाजी के हरिषंकर दास जी वेदांती, हनुमान चालीसा पीठ करवाने वाले अमरनाथ जी महाराज,भाजपा के पूर्व प्रदेषाध्यक्ष अशोक परनामी सहित अन्य संत-महंतों की मौजूदगी में हुए इस आयोजन में सुरेष पांचाल एंड पार्टी ने भोले बाबा को भजनों से रिझाया। इसके बाद भक्तों की प्रसादी हुई,जिसमें करीब 8 हजार के आसपास श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की।

चिकित्सक साहित्यकार डॉ. गोपाल 'राजगोपाल' का कोटा में सम्मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया। कोटा की चम्बल साहित्य समिति द्वारा उदयपुर के चिकित्सक एवं साहित्यकार डॉ. गोपाल राजगोपाल को ''आईना श्री सम्मान'' से नवाजा गया। डॉ. राजगोपाल को यह सम्मान गजल, बाल साहित्य, राजस्थानी भाषा साहित्य व चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रदान किया गया है। आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज में वरिष्ठ आचार्य तथा महाविद्यालय के राजभाषा संपर्क अधिकारी डॉ. राजगोपाल को सम्मान स्वरुप प्रशस्ति-पत्र, उपरणा, नारियल एवं पुरस्कार राशि प्रदान की गयी। कोरोना काल में प्रकाशित हुई 'अथः श्री कोरोना कथा' पुस्तक को चिकित्सा एवं साहित्य जगत में काफी सराहना मिली थी। आर.एन.टी. के साहित्यिक मंच 'रवीन्द्र स्पंदन' के संस्थापक रहे डॉ. राजगोपाल की हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में आठ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

बिड़ला सभागार में पूज्य दीपकभाई का त्रिदिवसीय सत्संग शुरू

सभी मनुष्य हैं निरंतर सुख की खोज में: पूज्यश्री दीपक भाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। पूज्यश्री दीपक भाई के त्रिदिवसीय सत्संग की शुरूआत मंगलवार से शहर के बिड़ला सभागार में हुई। इस मौके पर सत्संग में जयपुर और आसपास के इलाके से बड़ी संख्या मे लोग उपस्थित रहे। सत्संग के दौरान जिज्ञासुओ ने व्यवहार, धर्म आध्यात्म से संबंधित अपने प्रश्न पूछे और उनके पूज्य दीपकभाई ने समाधान किए। उन्होंने सत्संग को संबोधित करते हुए कहा कि सभी मनुष्य निरंतर सुख की खोज में है। दुःख किसी को पसंद ही नहीं है, जबकि इस खोज का अंत तब होता है जब शाश्वत सुख की प्राप्ति होती है। यह शाश्वत सुख हमें हमारे वास्तविक स्वरूप (आत्मा) की पहचान होने के पश्चात ही प्राप्त हो सकता है। शाश्वत सुख के इस मार्ग की खोज, ए.म.पटेल द्वारा हुई थी, जो दादा भगवान के नाम से जाने जाते है। उन्होंने यह बेजोड़ आध्यात्मिक विज्ञान विश्व के लिए खुल्ला किया, जो 'अक्रम विज्ञान' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। उन्होंने आगे कहा कि अक्रम विज्ञान ''स्वयं के वास्तविक स्वरूप (आत्मा)'' की प्राप्ति की नींव पर आधारित है। यहां ज्ञानी पुरुष की कृपा से, सिर्फ दो ही घंटों में, 'ज्ञानविधि' द्वारा 'स्वयं के वास्तविक स्वरूप (आत्मा)' की पहचान हो पाना संभव हुआ है। यह अद्भुत विज्ञान रोजबरोज के जीवन में उपस्थित होते हुए प्रश्नों के समाधान पाने के लिए व्यावहारिक चाबियाँ भी प्रदान करता है, जिस समज का उपयोग करने से जीवन में शांति और आनंद कि प्राप्ति होती है।

षोडश कारण महापर्व पर मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज के प्रवचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने मंगलवार दिनांक 20.08.2024 को षोडश कारण पर्व के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि षोडश कारण पर्व भाद्रपद कृष्णा प्रतिपदा को प्रारंभ होता है और आश्विन कृष्णा प्रतिपदा को समाप्त होता है। तत्वार्थ सूत्र जी में बताया है कि सोलहकारण भावनाओं के चिंतन से तीर्थंकर प्रकृति का बन्ध होता है। संसारी प्राणी मिथ्या दर्शन के कारण संसार में भटक रहा है, चारों गतियों में सम्यग्दर्शन है। सोलह कारण भावनाओं में सर्वप्रथम दर्शन विशुद्धि का विवेचन किया गया है। दर्शन विशुद्धि के आठ अंग हैं। मुनिश्री ने आठ अंगों को सरल तरीके से समझायो ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि प्रवचन से पूर्व महेश कुमार , श्रीमती प्रेमलता सोगानी एवं चंद्रसेन पाटनी ने दीप प्रज्वलन किया, मंगलाचरण श्रीमती चंदा सेठी ने एवं शस्त्र भेंट अशोक कुमार जी उर्मिला कासलीवाल एवं संगीता काला ने किया। पंडित अजित जैन ने जिनवाणी स्तुति की। षोडश कारण महापर्व के अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे मुनिश्री के प्रवचन तथा रात्रि 8:00 बजे से पंडित अजीत जैन 'आचार्य' के द्वारा तत्व चर्चा की जा रही है।

700 श्री फल से सात सौ मुनियों का पूजन किया

ब्यावर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन पचायती में भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। दिगम्बर जैन समाज के प्रवक्ता अमित गोधा ने बताया कि प्रातः श्री जी का अभिषेक एवं शांतिधारा की गई तत्पश्चात शांतिनाथ भगवान का पूजन श्री शीतलनाथ भगवान का पूजन चंद्रप्रभु भगवान का पूजन कर 700 श्रीफल से सात सौ मुनियो का विशेष पूजन किया गया। श्रेयांसनाथ भगवान के मोक्ष कल्याण दिवस के अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं के जयकारों के साथ अष्ट द्रव्य श्री जी के चरणों में समर्पित किए गए। पंडित घनश्यामदास शास्त्री ने रक्षाबंधन महापर्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रक्षाबंधन पर्व का महत्व तभी है जब हम इस अवसर पर अपने धर्म तथा मुनिराजो माताजी साधुओं की रक्षा हेतु विचार करे व उनकी सेवा हेतु तथा रक्षा हेतु संकल्पित हो इस अवसर पर दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक काला मंत्री दिनेश अजमेरा राजकुमार पहाड़िया मुकेश जैन चंचल जैन उदित बाकलीवाल श्रीमती किरण जैन सरोज जैन मनोहरमा काला भारती जैन चन्दा पहाड़िया पिंकी जैन उषा जैन पूजा कोठारी पुष्पा वाकलीबाल विविध जैन संजीव सीमा गंगवाल सहित श्रावकगण उपस्थित थे।

मंदिरों पर शिखर ध्वजा लगाने से समाज में खुशहाली बढ़ती है : मुनि प्रणम्य सागर

जयपुर में पहली बार मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन-पार्श्वनाथ कथा में उमड़े श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण के चौथे अधिकार का वाचन करते हुए मरुभूति जीव के बारे में बताया। मुनि श्री ने कहा कि संसार मरुस्थल जैसा है, जहां पर शीतलता रुपी वृक्ष का अभाव है। जो जीव 24 तीर्थंकर रुपी कल्प वृक्ष का ध्यान करता है, वो ही शीतलता प्राप्त कर सकते हैं, समभाव रख सकता है, उसमें ही विनय गुण दिखाई दे सकता है। मुनि श्री ने कहा कि पार्श्व पुराण में लिखा है कि हंस के वंश को जैसे चाल सिखाने की जरुरत नहीं होती है, उसी अनुरुप उत्तम कुल में जन्में नर-नारी को नमन गुण सिखाने की जरुरत नहीं होती है। मुनि श्री ने कहा कि जिन मंदिरों की प्रभावना बढाने के लिए हमें शिखर पर ध्वजा लगानी चाहिए। शिखर पर ध्वजा से धर्म की प्रभावना बढती है। समाज में खुशहाली आती है। आज युवाओं को धर्म से जोड़ने की जरुरत है। यदि युवाओं को तार्किक रुप से समझाया जावे, आधुनिक उपकरणों के साथ समझाया जाए तो वो धर्म से ज्यादा से ज्यादा जुड़ेंगे और हमारा धर्म चिरकाल तक रह पायेगा। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात समाजश्रेष्ठी कमला देवी, संजय - मीनू, दिनेश, विजय बाकलीवाल परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी ने बताया कि इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में इन्दौर निवासी मुकेश पाटोदी एवं नगर निगम जयपुर ग्रेटर स्वच्छ भारत अभियान के चैयरमेन मुकेश लख्यानी ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।संगठन मंत्री अशोक सेठी एवं कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट राजेश काला ने अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। समिति के कोषाध्यक्ष लोकेश जैन एवं संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में बुधवार, 21 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

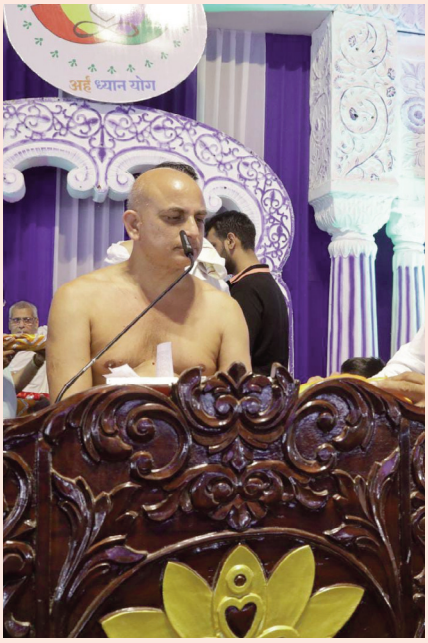

एक वृक्ष देश के नाम

जयपुर. शाबाश इंडिया। पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देते हुए ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन जो निरंतर जयपुर शहर में पौधरोपण के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। संस्था संस्थापक अध्यक्ष श्री प्रमोद जैन भँवर के जन्मदिन 20 अगस्त 2024 के अवसर पर संस्था द्वारा निःशुल्क पौधा वितरण का कार्यक्रम रखा गया । जिसमें समाज सेविका मनीषा जैन, प्रवीण कुमार, गोविन्द शर्मा, मूलचन्द जैन सहित अन्य गणमान्य स्थानीय व्यक्तियों ने उपस्थित रहकर पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत कार्य में भाग लिया व संस्था से निःशुल्क पौधा प्राप्त कर उसकी देखभाल का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव को प्रज्ञा सागर महाराज के जन्म जयंती महोत्सव में आने हेतु निमंत्रण दिया

झालरापाटन. शाबाश इंडिया

झालरापाटन 20 अगस्त 2024 श्री दिगंबर जैन समाज झालरापाटन के तत्वाधान में चातुर्मास समिति का एक प्रतिनिधिमंडल उज्जैन जाकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात कर उन्हें तपोभूमि प्रणेता, पर्यावरण संरक्षक 108 आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज के जन्म जयंती कार्यक्रम 1 सितंबर 2024 रविवार को झालरापाटन आने का निमंत्रण दिया। समाज के यशोवर्धन बाकलीवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आमंत्रण पत्र स्वीकार कर जन्म महोत्सव कार्यक्रम में आने की मौखिक स्वीकृति दी उन्होंने कहा कि आचार्य श्री से वे स्वम कई वर्षों से लगातार जुड़े हुए हैं उनके मार्गदर्शन, प्रेरणा और आशीर्वाद से ही इस मुकाम पर पहुंचा हूं समारोह में शामिल होना मेरा सौभाग्य होगा। नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष चांदवाड़ ने बताया कि जन्म जयंती समारोह कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया एवं झालावाड़ - बारां लोकसभा क्षेत्र के सांसद दुष्यंत सिंह को भी आमंत्रित किया गया है। प्रतिनिधि मंडल में भाजपा नेता संजय जैन ताऊ सरावगी जैन समाज के अध्यक्ष कमल अजमेरा जेसवाल समाज के अध्यक्ष यशवंत जैन, मनीष चांदवाड़, सुरेंद्र कमल ध्वज, घनश्याम जैन, नरेश सेठी, अशोक छाबड़ा, सुनील लुहाड़िया यशोवर्धन बाकलीवाल थे।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

जैन धर्मावलम्बी एक माह तक मनायेंगे षोड्शकारण पर्व

श्रावकों के द्वारा षोड्श कारण व्रत तीर्थंकर पद पाने के लिए किए जाते हैं...

फागी. शाबाश इंडिया। भाद्रपद कृष्णा एकम मंगलवार 20 अगस्त से भाद्रपद मास प्रारंभ होने से फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के दिगम्बर जैन मंदिरों में एक माह तक विशेष धार्मिक आयोजन आयोजित किए जाएंगे, कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि आज चंद्र प्रभु नसियां जी में प्रातः अभिषेक शांतिधारा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना के बाद रतनलाल सिंघल, नेमीचंद कागला,फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान महावीर प्रसाद बावड़ी, पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, पारस नला,रमेश बावड़ी, उत्तम जैन बावड़ी, विनोद मोदी तथा राजाबाबू गोधा के परिवार जनों की तरफ से महा शांति कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई कार्यक्रम में गोधा ने बताया कि मंगलवार 20 अगस्त से षोडशकारण व्रत एवं मेघमाला व्रत प्रारंभ हो गए जो बुधवार 18 सितंबर तक चलेंगे, कार्यक्रम में समाज की सुशीला बावड़ी व चन्द्रकांता सिंघल ने बताया कि सोलहकारण या (षोड्श कारण) पर्व का नाम सोलह भावनाएं हैं जो तीर्थंकर पद मिलने का कारण है, इसके व्रत श्रावकों के द्वारा तीर्थंकर पद पाने के लिए किया जाता है, इनके 32 व्रत होते हैं, हर भावना के दो दिवस होते हैं, जो वर्ष में तीन बार किए जाते हैं, इसके व्रत माघ, चैत्र एवं भाद्रपद मास में किए जाते हैं अर्थात एक वर्ष में 96 व्रत किए जाते हैं, समाज की ममता बावड़ी व रानी नला ने बताया कि दर्शन विशुद्धी भावना, विनय संपन्नता भावना,शील -व्रत अनिति चार भावना, अभीक्षण ज्ञानोपयोग भावना, अभिक्षण संवेग भावना, शक्ति स्तप भावना, शक्ति त्याग भावना, साधु समाधि की भावना, वैया वृत्यकरण भावना, अरिहंत भक्ति भावना, आचार्य भक्ति भावना, बहुश्रुतभक्ति भावना ,प्रवचन भावना, आवश्यक अपरिहाणि भावना, मार्ग प्रभावना भावना, तथा प्रवचन वात्सल्य भावना इस तरह सोलह भावनाएं होती है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com